

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

परियोजना का नाम विकास खण्ड नारायणबगड़ के अन्तर्गत चोपता से डडुवागाढ़ तक मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 0.404 हे० सिविल, कुल 0.404 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

आज दिनांक 18/03/2019 को लोक निर्माण विभाग के द्वारा विकास खण्ड नारायणबगड़ के अन्तर्गत चोपता से डडुवागाढ़ तक मोटर मार्ग हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से वन दरोगा नारायणबगड़, राजस्व विभाग की ओर से कु० रजनी, राजस्व उपनिरीक्षक नलगांव, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री नन्दन कुमार, सहायक अभियन्ता, श्री जगमोहन मेहरा, कनिष्ठ अभियन्ता, अन्य दावेदारों की ओर से क्षेत्रपंचायत सदस्य तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में ग्राम प्रधान तुनेड़ा, रैस के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 1615 (मी०) नाप भूमि से, 385 (मी०) सिविल भूमि से, वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 1.454 हे० नाप भूमि, 0.404 हे० सिविल, वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 0.404 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग शून्य वृक्ष - प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

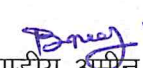
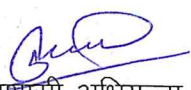
इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 1200 मी० नाप भूमि, 1000 मी० सिविल वन भूमि, प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 1.080 हे० नाप भूमि, 0.700 हे० सिविल, वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 0.700 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 15 वृक्ष तिमला, मेहल, अखरोट, चीड़, खड़ीक, तुन प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

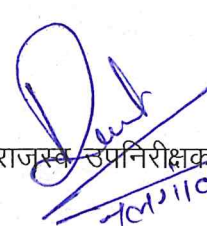
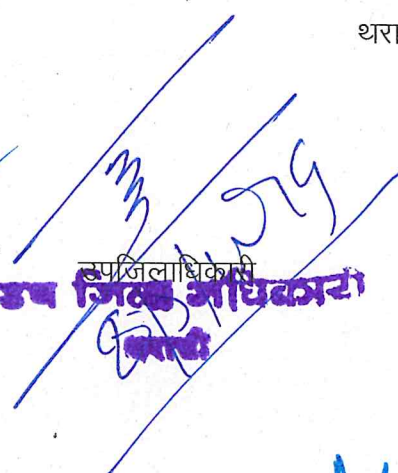
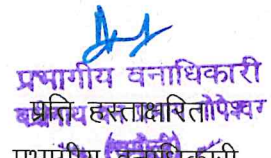
अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा वन पंचायत भूमि पर प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का जी०पी०एस० मान 30 10' 59.35" उ०, 79 22' 2.1" पू० है तथा यह स्थल चोपता से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल सोल्ता है जिसका जी०पी०एस० मान 30 11' 26.06" उ०, 79 21' 54.5" पू० है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के जी०पी०एस० मान 30 11' 1.41" उ०, 79 21' 57.04" पू०, 30 11' 11.83" उ०, 79 21' 53.45" पू० हैं।

चयनित समरेखन में शून्य पौधों को अन्य स्थानन्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा। चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा नहीं है। चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं होगा।

इस समरेखण पर उक्त परियोजना के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु तुनेड़ा सिविल में स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका जी०पी०एस० मान 30 11' 0.56" उ०, 79 21' 58.41" पू०, 30 11' 3.13" उ०, 79 21' 51.62" हैं।

 खण्डीय अमीन
 कनिष्ठ अभियन्ता
 सहायक अभियन्ता
 अधिशासी अभियन्ता
 निर्माण खण्ड लो०नि०वि०
 थराली, (चमोली)

 राजेश उपनिरीक्षक
 नलगौव
 उपनिरीक्षक
 थराली
 उपजिलाधिकारी
 डब जिला अधिकारी
 थराली
 जिलाधिकारी
 वन क्षेत्राधिकारी
 विष्णु पिण्डार राज
 (वन विभाग प्रतिनिधि)
 नारायणगढ़
 प्रभागीय वनाधिकारी
 प्रति हस्ताक्षरितोपेश्वर
 प्रभागीय वनाधिकारी